समावर्तन

२०१०

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़ - गोरखपुर

मेरे दो शब्द ...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वट वृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में महानगर के पूर्वी - उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ अपनी यात्रा के पाँच वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का तीसरा बैच इस वर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने जीवन के अग्रिम सोपान पर जाने हेतु तैयार है। किसी भी शैक्षिक संस्था के विकास में पाँच वर्ष का समय बहुत अधिक तो नहीं होता किन्तु यह समय बहुत कम भी नहीं है। किसी भी संस्था का अपने शुरूआत के वर्षों में ही उसका स्वरूप और प्रभाव स्पष्ट होने लगता है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में कार्य करते हुए मुझे लग रहा है कि यह मेरा सौभाग्य है, जो ऐसे महाविद्यालय के विकास में किंचित योगदान करने का अवसर ईश्वर ने प्रदान किया। मुझे अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सर्वाधिक आत्मसन्तुष्टि यहाँ कार्य करते हुए प्राप्त होती है। आज जब कि उपभोक्तावादी संस्कृति में व्यावसायिकता समाज के सर चढ़कर बोल रही है। अधिकांश सरकारी-गैर सरकारी संस्थाएँ आर्थिक लाभ के सिद्धान्त पर कार्य कर रही हैं, एक ऐसे महाविद्यालय में कार्य करने का अवसर पाकर कौन अपने को सौभाग्यशाली नहीं समझेगा, जिसकी स्थापना एवं जिसका विकास आर्थिक लाभ-हानि से इतर 'सामाजिक सरोकार' के लिए ... मैं परिचित तो था किन्तु इसकी प्रत्यक्ष अनुभूति महाराणा प्रताप म...

महाराणा प्र... मुराद मिल गई। लगभग डेढ़ दशक तक अखिल भारतीय विद्यार्थी प... ला करता था, उसे प्रत्यक्ष लागू करने का अवसर मिला। दो बातें साम... क्षण संस्था का विकास करना। महाविद्यालय के प्रबन्धक पूज्य योगी... नसे हमें एवं हमारी टीम को बराबर उत्साह भी मिलता रहता है। ... हुआ। प्रथम-महाविद्यालय प्राचार्य चलायें, द्वितीय-महाविद्याल... ालय स्वतः स्फूर्त चलता रहे। मुझे यह कहते हुए अति प्रसन्नता हो रही ... हैं। इसका सबसे महत्त्वपूर्ण और ताजा उदाहरण 'समावर्तन' संस्कार ... के लिए तैयार था। छात्र-छात्राओं द्वारा 'विदाई' कार्यक्रम से प्रारम्भ ... इस आयोजन का नाम 'समावर्तन' (भारतीय संस्कृति के षोडश सं... परेखा सब कुछ महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने तैयार की। उसी शृंख...

... ते 'हस्ताक्षर' छोड़ दिया जाय तो महाविद्यालय को प्राध्यापक चला... समिति तो दूसरे वर्ष से ही कार्य कर रही है। अब नियन्ता मण्डल, कार्य... छात्र संघ के पदाधिकारी अथवा प्रतिनिधि होते हैं। यद्यपि उनकी सक्रियता अभी तक सन्तोषजनक नहीं है। तथापि हमें विश्वास है कि आगामी दो-तीन वर्षों में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भूमिका महाविद्यालय के संचालन में हो जायेगी। अपनी क्षमता और सोच के अनुसार हमारी टीम (प्राध्यापक, कर्मचारी एवं अनुचर) ने महाविद्यालय का एक अलग तरह का शैक्षिक परिसर निर्माण किया है। महाविद्यालय को प्रतिमान शैक्षिक संस्थान बनाने की दिशा में सभी अपनी-अपनी क्षमतानुसार पूर्ण मनोयोग एवं पारिवारिक भाव के साथ कार्य कर रहे हैं।

यद्यपि विकास एक अनवरत प्रक्रिया है और यह नहीं कहा जा सकता कि किसी संस्था का पूर्ण विकास हो गया। जहाँ भी पहुँचे हैं, वहाँ से आगे बढ़ना ही विकास प्रक्रिया का अपरिहार्य हिस्सा है। तथापि हमने अब तक जो प्रयास किया है, उसमें कहाँ त्रुटि रह गयी ? और भी क्या हो सकता है! यह निरपेक्ष मूल्यांकनकर्ता ही बता सकता है। महाविद्यालय परिवार अपने शुभचिन्तकों के ऐसे सभी सुझावों का स्वागत करता है। हम निरन्तरता में विश्वास रखते हैं, आगे बढ़ते रहने और चलते रहने में विश्वास रखते हैं, हम निरंतर सुधार के पक्षधर हैं। आप सभी का सुझाव महाविद्यालय परिवार के लिए आशीर्वाद के समान है। मुझे विश्वास है कि गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार एक प्रतिमान संस्था बनकर उभरा है, आप सबके स्नेह एवं सहयोग से अपने प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहेगा तथा महाविद्यालय से स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने वाले विद्यार्थी देश के एक योग्य नागरिक के रुप में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय से शिक्षापूर्ण कर जाने वाले विद्यार्थियों को उनके यशस्वी जीवन की ढेर सारी शुभकामनाएँ।

प्रदीप राव

(डॉ. प्रदीप राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन शुक्ल सप्तमी, संवत २०६६
तदनुसार २२ फरवरी २०१०

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014
ग्रन्थालय
परिग्रहण सं. 2721
आह्वान सं. ....

ग्रन्थालय

॥ ओउम् नमो भगवते गोरक्षनाथाय ॥
श्री गोरखनाथ मन्दिर
(0551)
2255453
2255454

Dr. BHOLENDRA SINGH
M.Com. Ph.D.
Ex. - Vice Chancellor
Poorvanchal University
Jaunpur

☎ : (0551) - 2256934
Residence :-
A-64, Surajkund Colony
Gorakhpur-273001

गोरक्षपीठाधीश्वर

2721

शुभाशीष

1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना गुरूदेव महन्त दिग्विजयनाथजी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार हेतु किया था । उन्होंने अपने द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री गोविन्द वल्लभ पन्त के आग्रह पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि-भवन एवं अध्यापक-छात्र सहित पूरा महाविद्यालय सरकार को दे दिया। सम्प्रति गोरखपुर विश्वविद्यालय की नींव पड़ी। उसी स्मृति को पुनर्जीवित करते हुए जंगल धूसड़ में 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' की स्थापना की गई।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिमान बन कर उभरा है। हमें प्रसन्नता है कि महाविद्यालय का तृतीय बैच स्नातक की शिक्षा पूरी कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने के लिए तैयार है। 'समावर्तन संस्कार' के साथ उन्हें महाविद्यालय परिवार 'विदा' करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय में अध्ययन के दौरान यहाँ के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ जो सामाजिक-राष्ट्रीय जीवन की भी शिक्षा एवं प्रेरणा मिली है , उससे उनका मार्ग प्रशस्त होगा । राष्ट्र और समाज को एक योग्य पीढ़ी प्राप्त होगी । मेरा सभी छात्र-छात्राओं को शुभाशीष एवं इस आयोजन के प्रति हार्दिक शुभकामना ।

शुभेच्छु

(महन्त अवेद्यनाथ)
सचिव/मंत्री, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
अध्यक्ष- प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। 1932 में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय पाँचवां वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके तीसरे 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ ।

(डा0 भोलेन्द्र सिंह)
पूर्व कुलपति
अध्यक्ष- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

योगी आदित्यनाथ
संसद सदस्य, लोकसभा
भारत
प्रबन्धक,
महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड़

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बन कर उभरी है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिन्ता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपरोक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना 2005 में की गयी । शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में 145 दिन कार्य दिवस, 25 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, प्रार्थना एवं राष्ट्रगीत के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन जैसे अनेक नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। यदि यह प्रयोग सफल हुआ तो निश्चित ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'समावर्तन' संस्कार समारोह का आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का एक प्रयास है। 'समावर्तन' संस्कार समारोह के सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामना।

भवदीय
(हस्ताक्षर)
(योगी आदित्यनाथ)
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ

प्रो0 यू0 पी0 सिंह
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह
पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर, उ.प्र.

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की । शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की । तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की देख रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अन्तर्गत शिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं विकास का कार्य निरन्तर जारी है। सौभाग्य से मुझे भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में 1955 से 1958 तक कार्य करने का सुअवसर मिला । महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई । अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा । महाविद्यालय के तृतीय 'समावर्तन' संस्कार समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना ।

उ० प्र० सिंह
(प्रो. यू. पी. सिंह)
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

प्रो. राम अचल सिंह
पूर्व कुलपति
रा. म. लो. विश्वविद्यालय, फैजाबाद
पूर्व अध्यक्ष
उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उ.प्र.

शुभकामना संदेश

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर, जनपद गोरखपुर व उसके पास के जनपदों में गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्यनीय अवेद्यनाथ जी व उनके उत्तराधिकारी पूज्यनीय योगी आदित्यनाथ जी के कुशल मार्गदर्शन के अन्तर्गत लगभग दो दर्जन शिक्षण संस्थाओं का संचालन कर रही है। परिषद् ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना पाँच वर्ष पूर्व किया है। इस वर्ष महाविद्यालय का तीसरा बैच स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहा है।

महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेते हुए महाविद्यालय में शिक्षण कार्य एवं शिक्षणेत्तर कार्य सम्पादित हो रहा है। महाविद्यालय में पढ़ने वाले बालक व बालिकाओं को यहाँ की मिट्टी व जमीन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को भारत के इतिहास, संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव व राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़ने के लिए महाविद्यालय हमेशा प्रयत्नशील दिखाई देता है। विषय ज्ञान के साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण व सामाजिक समरसता का पाठ भी विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। महाविद्यालय ऐसे नागरिक तैयार कर रहा है जो अपने राष्ट्र को जानें व समझें। अपने राष्ट्र व वतन के लिए जीने की प्रेरणा ग्रहण करें।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् स्थापना काल से ही ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी की प्रेरणा से शीलवान नागरिकों का निर्माण कर रही है। शीलवान मनुष्य से अधिक मूल्यवान कोई चीज है ही नहीं। शील भ्रष्ट मनुष्य केवल पाप ही नहीं करता है अपितु पापियों का पालन पोषण भी करता है। शील विहीन मनुष्य पशु वन जाता है और मनुष्य का पशु वन जाना ही उसकी मृत्यु है।

समावर्तन संस्कार समारोह के अवसर पर मैं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति शुभकामना व्यक्त करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों के अन्दर ईश्वर ऐसी ऊर्जा का संचार व संवहन करें कि वे जो भी कार्य सम्पादित करें वह समाज व राष्ट्र के समक्ष एक सद् कार्य के रुप में उपस्थित हो ताकि समाज उससे हमेशा प्रेरणा ग्रहण करता रहे।

राम अचल सिंह

(प्रो. रामअचल सिंह)

प्रो. एस.एल. मलिक
कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर
विश्वविद्यालय, गोरखपुर
फोन : 0551-2201977

शुभकामना संदेश

मुझे अतीव प्रसन्नता है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर तीसरे समावर्तन संस्कार का आयोजन कर रहा है। शिक्षित समाज के मध्य समावर्तन एक महत्वपूर्ण पर्व होता है। मुझे विश्वास है कि समावर्तन संस्कार के माध्यम से महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्वों के सफल निर्वहन के लिए संकल्पबद्ध कर उनका मार्ग प्रशस्त करेगा। समावर्तन संस्कार समारोह महाराणा प्रताप महाविद्यालय से स्नातक की शिक्षा पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की प्रेरणा देगा। समावर्तन संस्कार के अन्तर्गत छात्र आचार एवं निर्धारित पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर जिम्मेदार एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में समाज में प्रवेश करते हैं । निःसंदेह महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इस आयोजन हेतु बधाई का पात्र है कि उसने सफलतापूर्वक तीसरे वर्ष समाज को जिम्मेदार नागरिक दिया है। इस अवसर पर मैं महाविद्यालय परिवार को शुभकामना देता हूँ।

S. L. Malik

(प्रो. एस.एल. मलिक)

समावर्तन

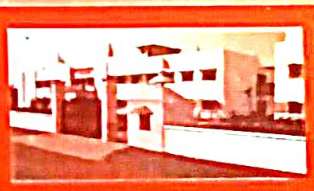

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

बसव राज पाटिल सेदम
पूर्व सदस्य, लोकसभा
प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता
सिद्ध चेतना, प्लाट न0-109, विद्यानगर
गुलबर्गा, कर्नाटक
फोन : 08441-576181

शुभकामना संदेश

नयी पीढ़ी के हाथों में ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है, ऐसा मेरा मानना है। मेरी प्रभु से यही प्रार्थना है कि वैश्वीकरण के फलस्वरूप देश के सामने खड़े सवालों को मात देने तथा उनका समाधान ढूढने हेतु वर्तमान पीढ़ी के माध्यम से एक नयी शक्ति खड़ी हो, जो माँ भारती को विश्वगुरु बनाने के लिये दिशा निर्देश करे। गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, ऐसी ही युवा पीढ़ी का निर्माण करने में सफल हो तथा यहाँ से शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं में भारतमाता के प्रति अगाध श्रद्धा का निर्माण होता रहे, यही प्रार्थना है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के तीसरे समावर्तन संस्कार समारोह से भारतमाता की सेवा का व्रत लेकर जाने वाली युवा शक्ति को मेरी हार्दिक शुभकामना। महाविद्यालय यशस्वी हो, अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सफल हो तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानक बने, इस हेतु ढेर सारी शुभकामनाएँ।

जय हिन्द!
(बसव राज पाटिल सेदम)

प्रो. शिवशंकर वर्मा
कुलसचिव
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर
विश्वविद्यालय, गोरखपुर
फोन : 0551-2201577

शुभकामना संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुयी कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर का तीसरा स्नातक बैच परीक्षा में सम्मिलित होकर स्नातक उपाधि प्राप्त करने के लिए तैयार है, जिसके निमित्त समावर्तन संस्कार समारोह का आयोजन 21 फरवरी, 2010 दिन रविवार को हो रहा है। मैं ऐसे सभी शिक्षार्थियों को अपनी शुभकामना प्रेषित करता हूँ कि वे स्नातक की उपाधि प्राप्त कर समाज में अपने उत्तरदायित्वों का सजगता से पालन करें तथा समाज और राष्ट्र के प्रति वे अपने को संवेदनशील नागरिक सिद्ध कर सके।

मैं समावर्तन संस्कार समारोह के सफलता की कामना करता हूँ।

(प्रो0 शिवशंकर वर्मा)
कुलसचिव

मुख्य अतिथि

बसव राज पाटिल सेदम

श्री बसव राज पाटिल सेदम का जन्म 10 फरवरी 1944 को सेदम तालुका के तारानल्ली नामक गांव में हुआ था। श्री पाटिल ने स्नातक विज्ञान की पढ़ाई के बीच में ही अपने आपको सामाजिक एकता के कार्य के लिए समर्पित कर दिया, सामाजिक परिवर्तन के लिये संघर्ष आरम्भ किया तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में अपने देश के आम लोगों की सेवा का लक्ष्य बनाकर अपना पूरा जीवन भारतमाता को समर्पित कर दिया।

आप 1954 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। बिहार राज्य के सन्थाल क्षेत्र के आदिवासी जिले में आपने अपनी सेवा प्रचारक के रूप में 1967 से 1973 तक दी है। कर्नाटक राज्य में सूखे के सबसे खराब दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने युद्ध स्तर पर सहायता अभियान शुरू किया था तथा 40 कांजी केन्द्र (जहाँ लावारिस पशुओं की देख-रेख की जाती है) गुलबर्ग जिले में खोले। आपने इस अभियान का सफलता पूर्वक संचालन किया।

आप श्री कोटला बाशेश्वर भारतीय देव स्थान पंच समिति के सचिव श्री सारनप्पा पारमन्ना कानगड्डी न्यास, सेदम के संस्थापक अध्यक्ष, हैदराबाद कर्नाटक अभिवृद्धि विभाग के संस्थापक/मुख्य संयोजक, छुआ-छूत विरोधी समिति कर्नाटक के सदस्य तथा उत्तरी कर्नाटक के बहुत सारे साक्षरता तथा शैक्षिक संस्थानों में सक्रिय प्रेरणादायी कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय हैं। आपके द्वारा श्री कोटला बाशेश्वर भारतीय शिक्षा समिति तथा इन्फोसिस, बंगलूर के संयुक्त तत्वावधान में बहुत सारे विकास कार्यों को संचालित किया गया। आप हैदराबाद कर्नाटक विकास परिषद् के सदस्य तथा भारत विकास संगम नई दिल्ली के राष्ट्रीय समन्वयक हैं।

राजनीतिक जीवन में आप की यात्रा भारतीय जनता पार्टी के कर्नाटक प्रान्त के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय सचिव के रूप में जारी रही। 1998 के लोकसभा चुनाव में आप गुलबर्ग लोकसभा क्षेत्र से संसद सदस्य निर्वाचित हुए। इससे पूर्व 1980 से 1996 तक आप कर्नाटक विधान परिषद् के सदस्य रहे। आप 2008 से 'कर्नाटक सरकार 2020' समिति के तथा कर्नाटक सरकार द्वारा गठित उच्च शिक्षा समिति के सम्मानित सदस्य हैं।

आप भारतीय विद्या केन्द्र न्यास, सिरनूर, गुलबर्ग के सचिव, शिक्षण विकास विद्या विकास परिषद, कर्नाटक राज्य के कार्यकारी सदस्य, विद्या भारतीय कालबुर्जी इकाई (शैक्षिक प्रबन्ध सम्बन्धी कार्य) के सदस्य, उच्च प्राथमिक शिक्षा संघ संगठन के सचिव (1988 से 1996) त्रपतुंगा शिक्षा केन्द्र, सेदम के संस्थापक सदस्य, हैदराबाद हिन्दी प्रचार सभा के सदस्य, कर्नाटक राज्य विधान परिषद्, बेगलूरू के डोनर सदस्य हैं।

श्री कोट्टला बाशेश्वर भारतीय समिति की स्थापना 1977 में आपके पूज्य श्री मादिवाल्या स्वामी जी की कृपा से हुई थी तथा आप इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हैं। यह संस्था सेदम तालुका तथा गुलबर्ग जिले में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षण कार्य करती है। इस संस्था के अन्तर्गत 5000 से भी ज्यादे विद्यार्थी पढ़ते हैं। श्री कोट्टला बाशेश्वर शिक्षण समिति की योग्य सम्बद्धता के अन्तर्गत बहुत विकासशील पाठशालाएं जैसे श्री भारतीय टेलरिंग सेन्टर फार विमेन, श्री रामानुज कम्प्यूटर सेन्टर, हनुमान व्यायाम पाठशाला, श्री सिद्धेश्वर ज्ञानाश्रम तथा गो सदन इत्यादि सफलापूर्वक संचालित हो रही हैं। यह गर्व की बात है कि यह संस्था जिले के 55 से ज्यादे शैक्षिक संस्थानों को दिशा निर्देशित करती है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 के बाद के इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई0 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक मानक बना और इसी धारा को ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई0 में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने जीवन मूल्यों की पुनःस्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूरदृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब तक देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रुप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल प्रारम्भ हुआ। 1935 में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इन्टरमीडिएट कालेज के रुप में प्रतिष्ठित हुआ।

1949-50 में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त 1958 में ब्रह्मलीन महन्त जी ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। वर्तमान गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय महाराणा प्रताप डिग्री कालेज भवन में ही चल रहा है तथा उसी परिसर में एम.बी.ए., शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य संकाय का नवीन भवन स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में दर्जनों शिक्षण संस्थाएँ गोरखपुर क्षेत्र में संचालित हो रही हैं। इनमें गोरखपुर महानगर में महाराणा प्रताप पालिटेक्निक, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा विहार एवं बालिका विद्यालय सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ बी.एड. कालेज, महाराणा प्रताप टेलरिंग कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा विहार जू0 हा0 स्कूल रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जंगल धूसड़, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक माफी और महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्ड्री प्रमुख हैं। महराजगंज जनपद में दिग्विजयनाथ इन्टर कालेज, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ शिशु शिक्षा विहार चौक बाजार, परमहंस शिशु शिक्षा सदन, सोनाड़ी जंगल प्रमुख प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाएँ हैं। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित हैं।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम सत्र : 2009-10

सत्रारम्भ : 16 जुलाई, 2009

महाविद्यालय का 16 जुलाई से बी.ए., बी.एससी., बी.काम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कक्षाध्यापन के साथ सत्रारम्भ हुआ।

प्रयोगात्मक कक्षाएं आरम्भ : 1 अगस्त, 2009

1 अगस्त से महाविद्यालय में कक्षाध्यापन के साथ–साथ प्रयोगात्मक कक्षाएं भी प्रारम्भ हो गयी ।

महाविद्यालय परिसर

छात्र–छात्राओं द्वारा अध्यापन–

सप्ताह में प्रत्येक शनिवार को कक्षाएँ विद्यार्थी पढ़ाते हैं। प्रत्येक कक्षाओं में लगभग सात से दस छात्र–छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है।

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम :

स्वैच्छिक श्रमदान का कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाता रहा है। श्रमदान करने वाले छात्र–छात्राएँ, प्राध्यापक, कर्मचारी अपना नाम, कार्य तथा अनुभव श्रमदान पंजिका में अंकित करते हैं। श्रमदान में हिस्सेदारी करने वाले लोगों के लिए ना तो किसी प्रकार का पुरस्कार है और न ही उससे अलग रहने वालों को किसी प्रकार का दण्ड।

महाविद्यालय में वृक्षारोपण करते अतिथि

महाविद्यालय में वृक्षारोपड़ : 1 अगस्त, 2009

1 अगस्त 2009 को महाविद्यालय में वृक्षारोपड़ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवशंकर वर्मा, पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य माल भाड़ा एवं यातायात नियन्त्रक डॉ. रणविजय सिंह, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. मयाशंकर सिंह ने आम के वृक्ष लगाकर वृक्षारोपड़ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। वृक्षारोपड़ कार्यक्रम दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के सौजन्य से हुआ। कुल 101 पौधे लगाये गये।

भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान : 13 अगस्त, 2009

महाविद्यालय अपने स्थापना काल से भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान का आयोजन करता रहा है। इसी शृंखला में इस वर्ष मुख्य अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल ने अपना उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. मयाशंकर सिंह उपस्थित रहे। व्याख्यान की अध्यक्षता गोरक्षपीठ उत्तराधिकारी एवं संस्था के प्रबन्धक परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

महाविद्यालय में स्वैछिक श्रमदान करते प्रवक्ता एवं छात्र

स्वतंत्रता दिवस समारोह : 15 अगस्त, 2009

महाविद्यालय में 15 अगस्त का राष्ट्रीय पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। छात्र–छात्राओं द्वारा अत्यन्त रोमांचकारी एवं राष्ट्रभक्ति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम सरस्वती वंदना से प्रारम्भ होकर वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला : 23 – 29 अगस्त, 2009

23 अगस्त : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक, युग पुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजय नाथ जी महाराज की पावन स्मृति में प्रति वर्ष की भांति इस सत्र में आयोजित व्याख्यान–माला का उद्‌घाटन 23 अगस्त 2009 को गोरक्षपीठ उत्तराधिकारी पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उद्‌घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा सेवा चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन एवं विख्यात शिक्षाविद् प्रो. अमर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

कुलपति, जौनपुर विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह जी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन,श्री प्रदीप पाण्डेय (बी. एससी. द्वितीय वर्ष) एवं आभार सुश्री निधि केजरीवाल (बी.एससी. तृतीय वर्ष) ने किया।

दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला का उद्घाटन समारोह

24 अगस्त : व्याख्यान माला के दूसरे दिन प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, आचार्य, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. गोरखपुर ने **'आचार्य शुक्ल और वामपंथ'** विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री हरेन्द्र सिंह (बी.काम– द्वितीय वर्ष) तथा आभार श्री संदीप पाण्डेय (बी.एससी. तृतीय वर्ष) ने किया।

25 अगस्त : व्याख्यान माला के तीसरे दिन प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, अध्यक्ष राजनीति शास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर ने **'भारत की विदेश नीति'** विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. डी.एन. त्रिपाठी, उपाचार्य भौतिकी, डी.ए.वी. डिग्री कालेज, गोरखपुर ने **'प्राचीन भारतीय वाङ्मय में विज्ञान'** विषय पर शोधपूर्ण व्याख्यान दिया। इस सत्र का संचालन सुश्री निकिता केजरीवाल (बी.काम.–प्रथम वर्ष) तथा आभार श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय (प्रवक्ता –अर्थशास्त्र) ने किया।

रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में रक्तदान

26 अगस्त : व्याख्यान माला के चौथे दिन प्रो. अंजनी कुमार सिंह, अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर ने **'श्री अरविन्द एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद'** विषय पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अनुभूति मिश्रा (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने किया और आभार श्री सुभाष कुमार गुप्ता (प्रवक्ता–वाणिज्य) ने व्यक्त किया।

27 अगस्त : व्याख्यान माला के पाँचवें दिन प्रो. शिवशंकर वर्मा, आचार्य, भूगोल विभाग दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर ने **'पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि और रोजगार'** तथा डॉ. रणविजय सिंह, मुख्य माल भाड़ा एवं यातायात नियन्त्रक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर ने **'पूर्वी उत्तर प्रदेश में जल संसाधन एवं प्रबन्धन'** विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री मुन्नी बर्नवाल (बी.ए.–द्वितीय वर्ष) ने किया तथा आभार डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही (प्रवक्ता–भूगोल) ने व्यक्त किया।

28 अगस्त : व्याख्यान माला के समापन अवसर पर श्री देवदत्त, श्री अरविन्द आश्रम, पाण्डीचेरी ने **'हिन्दुत्व और श्री अरविन्द** विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इसी कार्यक्रम में श्रीमती कल्याणी द्विवेदी प्रवक्ता, महिला पी.जी. कालेज, बस्ती ने **'स्वास्थ्य शिक्षा और योग'** विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कु. श्वेता चतुर्वेदी (बी.काम. द्वितीय वर्ष) एवं आभार ज्ञापन गणित विषय के प्रवक्ता डॉ. श्रीकान्त त्रिपाठी ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम

रेड रिबन क्लब का गठन : 24 अगस्त 2009

माननीय कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उ.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अधीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में रेड रिबन क्लब की स्थापना 24 अगस्त को किया गया। जिसके मुख्य संरक्षक महामहिम राज्यपाल उ.प्र. श्री बी.एल. जोशी, संरक्षक प्रो. एस. एल. मलिक कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर तथा चेयर पर्सन डॉ. प्रदीप राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, संयोजक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सहसंयोजक श्री प्रदीप पाण्डेय (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष), श्री हरेन्द्र सिंह (बी.काम. द्वितीय वर्ष) एवं सुश्री मुन्नी बर्नवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) हैं।

छात्रसंघ की साधारण सभा की बैठक

दिग्विजयनाथ पुण्यतिथि समारोह : 4 सितम्बर 2009

इस समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा गोरक्षनाथ मन्दिर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार म **"छुआछूत सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता में बाधक"** विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न हुई जिसके मुख्य अतिथि महन्त नृत्य गोपालदास एवं मुख्य वक्ता दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष, मा. आशीष जी थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने की तथा प्रस्तावना गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने प्रस्तुत किया।

दिग्विजयनाथ श्रद्धांजलि समारोह : 7 सितम्बर 2009

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य तिथि समारोह में महाविद्यालय परिवार ने गोरक्षनाथ मन्दिर के सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में सम्मिलित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

छात्रसंघ चुनाव : 10 सितम्बर, 2009

छात्रसंघ की नियमावली के अनुसार 42 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात इन्हीं प्रतिनिधियों में से इन्ही के द्वारा वागीश राज पाण्डेय, अध्यक्ष, प्रदीप पाण्डेय, उपाध्यक्ष एवं राजीव पाण्डेय महामंत्री चुने गये।

श्रमदान करते स्वयंसेवक / स्वयंसेविकायें

छात्रसंघ की बैठक :

प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह के अन्तिम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा की बैठक छात्रसंघ प्रभारी की अध्यक्षता में सम्पन्न होती है। बैठक का संचालन छात्रसंघ अध्यक्ष करता है। बैठक डेढ़ घण्टे चलती है। छात्र समस्या एवं समाधान, छात्र संकल्प तथा पूर्व निर्धारित किसी राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय सामसामयिक विषय पर क्रमशः चर्चा होती है। इस सत्र में दिसम्बर माह की बैठक नहीं हो पायी। अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर एवं जनवरी माह में छात्रसंघ की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई।

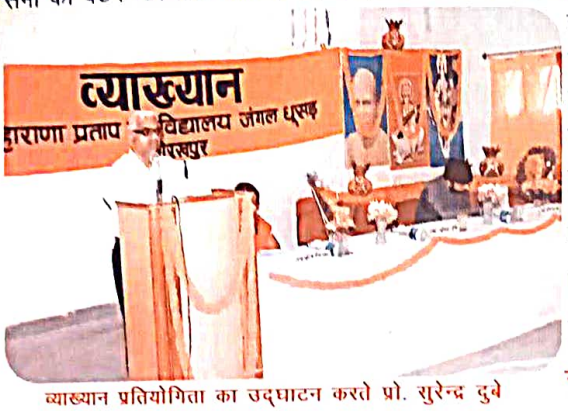

व्याख्यान प्रतियोगिता का उद्घाटन करते प्रो. सुरेन्द्र दुबे

शिक्षक – अभिभावक बैठक : 2 अक्टूबर, 2009

महाविद्यालय में 2 अक्टूबर, 2009 को शिक्षक– अभिभावक बैठक सम्पन्न हुयी। इस बैठक में अभिभावकों की तरफ से कुछ सुझाव दिये गये एवं शिक्षक अभिभावक समिति का गठन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर : 3 नवम्बर, 2009

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत संचालित प्रताप इकाई एवं गोरक्ष इकाई का प्रथम एक दिवसीय शिविर चयनित ग्राम हसनगंज, जंगल धूसड़, में आयोजित कर सफाई एवं स्वास्थ्य के प्रति ग्रामवासियों में संगोष्ठी एवं नाटक के माध्यम से चेतना जाग्रत की गई।

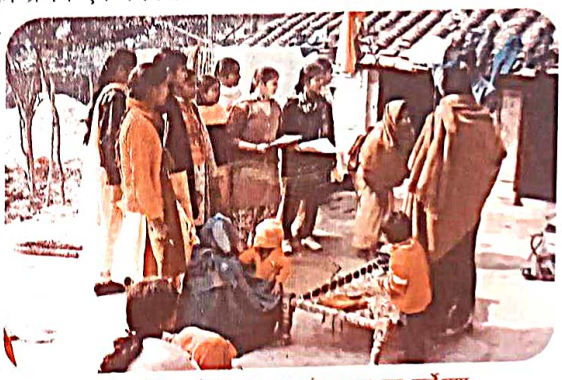

स्वंय सेविकाओं द्वारा हसनगंज ग्राम का सर्वेक्षण

व्याख्यान प्रतियोगिता : 13 एवं 14 नवम्बर 2009

महाविद्यालय में छात्रों के समग्र विकास हेतु 13 एवं 14 नवम्बर 2009 को दो दिवसीय व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के 10 विषयों पर कुल 18 छात्र–छात्राओं ने अपने संक्षिप्त शोध–पत्र प्रस्तुत किये। जिसमें **संदीप पाण्डेय–प्रथम, प्रदीप पाण्डेय–द्वितीय एवं अभिलाषा यादव ने तृतीय स्थान** प्राप्त किया। महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के 05 विषयों पर कुल 12 छात्र–छात्राओं ने अपने संक्षिप्त शोध पत्र प्रस्तुत किये। जिसमें **बबिता शर्मा–प्रथम, शिव प्रकाश शुक्ला–द्वितीय एवं श्वेता चतुर्वेदी ने तृतीय स्थान** प्राप्त किया। महाविद्यालय के कला संकाय के 11 विषयों पर कुल 09 छात्र–छात्राओं ने अपने संक्षिप्त शोध पत्र प्रस्तुत किये जिसमें **अभिषेक कुमार सिंह– प्रथम, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह–द्वितीय एवं शीतल प्रजापति ने तृतीय स्थान** प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दुबे ने किया। संचालन व्याख्यान प्रतियोगिता के संयोजक भौतिक विभाग के प्रभारी डॉ. संतोष एवं आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया।

स्वास्थ्य जागरूकता रैली

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

सांस्कृतिक कार्यक्रम : 25 नवम्बर – 3 दिसम्बर, 2009

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 25 नवम्बर से 3 दिसम्बर के मध्य महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. कविता मन्ध्यान की देख–रेख में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 25 नवम्बर को प्रश्नमंच प्रतियोगिता, 26 नवम्बर को गायन प्रतियोगिता, 27 नवम्बर को रंगोली प्रतियोगिता, 28 नवम्बर को हास्य व्यंग्य प्रतियोगिता, 29 नवम्बर को पाक कला प्रतियोगिता, 2 दिसम्बर को मेंहदी प्रतियोगिता तथा 3 दिसम्बर को फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता सम्पन्न हुयी ।

शोभा यात्रा में महाविद्यालय की झाँकी एवं छात्र/छात्राएं

शोभा यात्रा का पुरस्कार ग्रहण करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर : 29 नवम्बर, 2009

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रताप एवं गोरक्ष इकाई का द्वितीय एक दिवसीय शिविर महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। साथ ही साथ अभिग्रहीत ग्राम हसनगंज, जंगल धूसड़ में पर्यावरण के प्रति जागरूकता रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य जागरूकता रैली : 1 दिसम्बर 2009

रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में दिनांक 1 दिसम्बर 2009 को एड्स निवारण के प्रति जागरूकता के प्रसार के लिए महाविद्यालय परिसर से कृषक इण्टर कालेज होते हुए हसनगंज में रैली निकाली गई।

शोभा यात्रा : 4 दिसम्बर, 2009

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह के उद्घाटन समारोह में निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में महाविद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभायी।

मुख्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह : 10 दिसम्बर, 2009 (महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद)

संस्थापक समारोह में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक पुरस्कार प्राप्त किये। जिसमें शोभा यात्रा में श्रेष्ठ अनुशासन के लिए महाविद्यालय को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विवेकानन्द जंयती कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. शिवशंकर वर्मा

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :12 जनवरी 2010

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित दोनों इकाईयों के एक दिवसीय शिविर में **स्वामी विवेकानन्द जयन्ती** के अवसर पर युवा सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर व्याख्यान का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रो. सदानन्द गुप्त, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर तथा बतौर मुख्य अतिथि प्रो. शिवशंकर वर्मा, कुलसचिव दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर ने अपना विचार व्यक्त किया।

विदाई समारोह : 13 जनवरी 2010

उक्त तिथि पर महाविद्यालय में स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं द्वारा स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं का विदाई समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

एन.सी.सी. शिविर : 14 से 23 जनवरी 2010

महाविद्यालय में 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन का 10 दिवसीय विशेष शिविर आयोजित हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर : 23 जनवरी

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दोनों इकाइयों का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन हुआ। इसके अन्तर्गत छात्र–छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया।

रक्तदान करती महाविद्यालय की छात्रा

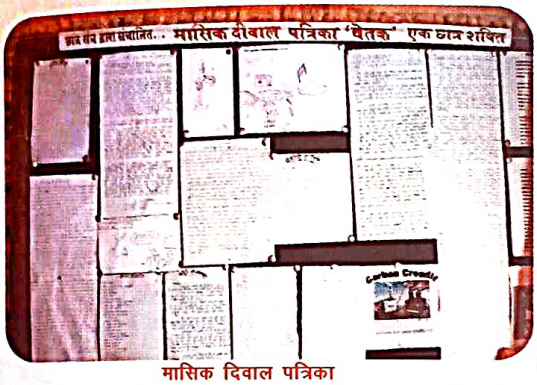

मासिक दिवाल पत्रिका

विशेष शिविर : 24–30 जनवरी, 2010

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित प्रताप इकाई एवं गोरक्ष इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम हसनगंज, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन 25 जनवरी 2010 को हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संजीत कुमार गुप्ता, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय. गोरखपुर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में हसनगंज ग्राम की तरफ से अतिथियों एवं स्वयंसेवकों का स्वागत ग्राम प्रतिनिधि श्री राजेन्द्र निषाद द्वारा किया गया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक वृन्द उपस्थित रहे। सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह सांस्कृतिक उत्सव के साथ 30 जनवरी 2010 को सम्पन्न हुआ।

रक्तदान शिविर का आयोजन : 25 जनवरी 2010

रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में 25 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 25 छात्र/छात्रा एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर अपने समाजिक कर्त्तव्यों का निर्वहन किया। इसी दिन रेड रिबन क्लब के अन्तर्गत ग्राम हसनगंज में जन जागरूकता एवं चेतना रैली का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित छात्राओं द्वारा कार्यक्रम

दिवाल पत्रिका का उद्घाटन : 25 जनवरी 2010

छात्रसंघ की मासिक दिवाल पत्रिका का उद्घाटन 25 जनवरी 2010 को सदर सांसद एवं गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. संजीत कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह व शिक्षक–अभिभावक बैठक :

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा देते छात्र/छात्राएं

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। तत्पश्चात पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महाविद्यालय में शिक्षक–अभिभावक बैठक सम्पन्न हुई।

छात्र संघ की साधरण सभा:

गणतंत्र दिवस समारोह के पश्चात छात्रसंघ की आम सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य ने तथा संचालन छात्रसंघ अध्यक्ष ने किया।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा : 2 फरवरी, 2010

महाविद्यालय में 2 फरवरी 2010 से 15 फरवरी 2010 तक विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा डॉ. विजय चौधरी परीक्षा प्रभारी के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुई। परीक्षा

इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स आरम्भ : 3 फरवरी, 2010

महाविद्यालय में छात्रसंघ की मांग पर छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स का शुभारम्भ किया गया। 3 फरवरी, 5 फरवरी, 10 फरवरी एवं 13 फरवरी को कक्षाएँ चल चुकी हैं। 28 फरवरी तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को इसकी कक्षाएं चलेंगी।। आगामी सत्र में इसका प्रारम्भ 16 जुलाई से प्रत्येक सप्ताह में 3 दिन होना सुनिश्चित है।

नेत्रदान पर व्याख्यान : 16 फरवरी, 2010

नेत्रदान विषय पर महाविद्यालय में 16 फरवरी को व्याख्यान आयोजित हुआ। जिसके मुख्य वक्ता महात्मा गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन गुप्ता थे। कार्यक्रम का संचालन राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार ज्ञापन प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति ने किया।

समावर्तन संस्कार समारोह : 21 फरवरी, 2010

महाविद्यालय में समावर्तन संस्कार समारोह 21 फरवरी, 2010 को होना सुनिश्चित हुआ है।

भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक ग्राम्य सर्वेक्षण : 22 फरवरी से 03 मार्च 2010

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.ए./बी.एससी., भाग तीन, भूगोल विषय के अन्तर्गत भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक ग्राम्य सर्वेक्षण 22 फरवरी 2010 से होना सुनिश्चित है।

कार्यशाला : 5 मार्च 2010

महाविद्यालय में 'उच्च शिक्षा की स्थिति : स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तय किया गया हैं। कार्यशाला 3 सत्रों में सम्पन्न होगी। प्रथम सत्र में स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की स्थिति, द्वितीय सत्र में स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में समाज, सरकार व विश्वविद्यालय की भूमिका एवं तृतीय सत्र में समस्या और समाधान विषयों पर परिचर्चा होगी।

महाविद्यालय में प्रार्थना एवं वन्देमातरम् करते छात्र/छात्राएं

विश्वविद्यालयी परीक्षा : 8 मार्च से प्रस्तावित

समावर्तन २००९ में बायें से पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह, कुलपति प्रो. एन.एस. गजभिए, न्यायमूर्ति मा. गिरधर मालवीय, पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. राजवन्त राव, यूइंग क्रिश्चियन कालेज के डॉ. विवेक मिश्र

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष - श्री महन्त अवेद्यनाथ, गोरक्षपीठाधीश्वर
उपाध्यक्ष - प्रो. यू.पी. सिंह, पूर्व कुलपति
प्रबन्धक/सचिव - श्री योगी आदित्यनाथ, सांसद लोकसभा
सदस्य - श्री प्रमोद चौधरी, प्रतिष्ठित व्यवसायी
- श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, अधिवक्ता
- श्री पारसनाथ मिश्रा, अधिवक्ता
- श्री प्यारे मोहन सरकार, अधिवक्ता
- श्री गोरक्ष प्रताप सिंह, निदेशक, जी.एन.पब्लिक स्कूल
- श्री योगी कमलनाथ, धर्माचार्य
- श्री रामजन्म सिंह, प्रधानाचार्य

शिक्षक - अभिभावक समिति

२ अक्टूबर, २००६ को सम्पन्न शिक्षक अभिभावक बैठक में शिक्षक अभिभावक समिति का गठन किया गया।

अध्यक्ष - श्री कृष्ण मुरारी सिंह (अभिभावक)
उपाध्यक्ष - श्री बाबूनन्दन सिंह (अभिभावक)
सचिव - सुश्री गरिमा सिंह (प्राध्यापक)
सहसचिव- श्री कमलेश चन्द्र मिश्र (अभिभावक)
सदस्य - श्री रामलखन चक्रधारी (अभिभावक)
श्री राजकुमार निषाद (अभिभावक)
श्री विक्रम प्रसाद (अभिभावक)
श्री रविन्द्रनाथ कुशवाहा (अभिभावक)
श्री सज्जन लाल निगम (अभिभावक)
श्री रामप्रताप (अभिभावक)
श्री प्रहलाद गौड़ (अभिभावक)
श्री सरोज रंजन शुक्ल (अभिभावक)
श्री गोरख लाल शर्मा (अभिभावक)
श्री रमेश राय (अभिभावक)
श्री मनोज कुमार (अभिभावक)
श्रीमती शर्मिला शर्मा (अभिभावक)
श्रीमती कमलावती त्रिपाठी (अभिभावक)
श्रीमती राजकुमारी प्रजापति (अभिभावक)
श्रीमती शान्ति पाण्डेय (अभिभावक)
श्री अमित उपाध्याय (अभिभावक)।

छात्रसंघ

प्रभारी	डॉ. प्रदीप राव	प्राचार्य
अध्यक्ष	श्री वागीश राज पाण्डेय	बी.एससी. तृतीय वर्ष, वनस्पति वि.
उपाध्यक्ष	श्री प्रदीप पाण्डेय	बी.एससी. द्वितीय वर्ष, भौतिकी
महामंत्री	श्री अरविन्द कुमार शुक्ल	बी.एससी. तृतीय वर्ष, भौतिकी

छात्रसंघ के प्रतिनिधि

श्री सत्यराम चौरसिया	बी.एससी. प्रथम वर्ष	रसायन विज्ञान
श्री सतीश गौड़	बी.एससी. प्रथम वर्ष	रसायन विज्ञान
श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	बी.एससी. प्रथम वर्ष	भौतिक विज्ञान
श्री शिवेस्टर राव	बी.एससी. प्रथम वर्ष	गणित
श्री अरूण कुमार	बी.एससी. प्रथम वर्ष	वनस्पति विज्ञान
कु० सविता प्रजापति	बी.एससी. प्रथम वर्ष	प्राणि विज्ञान
कु० आराधना दीक्षित	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	रसायन विज्ञान
श्री आलोक रंजन शुक्ल	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	गणित
श्री सत्यानन्द पाण्डेय	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	प्राणि विज्ञान
श्री सुधीर मिश्रा	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	वनस्पति विज्ञान
कु० स्वाती गुप्ता	बी.एससी. तृतीय वर्ष	रसायन विज्ञान
श्री प्रतीक कुमार दास	बी.एससी. तृतीय वर्ष	गणित
श्री विनय कुमार सिंह	बी.एससी. तृतीय वर्ष	प्राणि विज्ञान
कु० रेखा	बी.ए. प्रथम वर्ष	हिन्दी
श्री अशोक कुमार माझी	बी.ए. प्रथम वर्ष	अंग्रेजी
कु० रीतू श्रीवास्तव	बी.ए. प्रथम वर्ष	समाजशास्त्र
श्री दीपक कुमार सिंह	बी.ए. प्रथम वर्ष	राजनीति शास्त्र
श्री अवधेश कुमार भारती	बी.ए. प्रथम वर्ष	भूगोल
कु० बेबी यादव	बी.ए. प्रथम वर्ष	अर्थशास्त्र
श्री शेलेन्द्र कुमार सिंह	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्राचीन इतिहास
श्री अर्जुन निषाद	बी.ए. द्वितीय वर्ष	हिन्दी
कु० मुन्नी बर्नवाल	बी.ए. द्वितीय वर्ष	अंग्रेजी
श्री सचिन कुमार चौहान	बी.ए. द्वितीय वर्ष	समाजशास्त्र
श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह	बी.ए. द्वितीय वर्ष	राजनीतिशास्त्र
कु० नीलम यादव	बी.ए. द्वितीय वर्ष	भूगोल
श्री अजय कुमार चौधरी	बी.ए. द्वितीय वर्ष	अर्थशास्त्र
कु० सत्या प्रजापति	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्राचीन इतिहास
कु० प्रियंका श्रीवास्तव	बी.ए. तृतीय वर्ष	हिन्दी
श्री राजीव पाण्डेय	बी.ए. तृतीय वर्ष	समाज शास्त्र
श्री पन्नेलाल यादव	बी.ए. तृतीय वर्ष	राजनीति शास्त्र
श्री रवि कुमार विश्वकर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष	भूगोल
कु० संजना यादव	बी.ए. तृतीय वर्ष	अर्थशास्त्र
श्री प्रमोद कुमार गुप्ता	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्राचीन इतिहास
श्री अमन कुमार वर्मा	बी.काम. प्रथम वर्ष	वाणिज्य
श्री कुन्दन गुप्ता	बी.काम. प्रथम वर्ष	वाणिज्य
श्री विपिन कुमार सिंह	बी.काम. प्रथम वर्ष	वाणिज्य
कु० बबिता शर्मा	बी.काम. द्वितीय वर्ष	वाणिज्य
श्री शिव प्रकाश शुक्ला	बी.काम. तृतीय वर्ष	वाणिज्य

छात्रसंघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण राज्य सरकार के अध्यादेश के कारण न हो सका

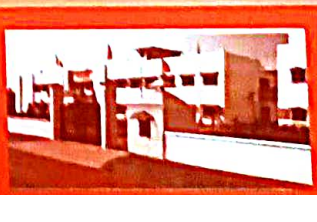

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

पुरातन छात्र परिषद

प्रभारी- डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी-रसायन विज्ञान

अध्यक्ष- श्री सुधांशु शुक्ला, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष
उपाध्यक्ष- श्री अमिताभ कुमार श्रीवास्तव
सचिव- श्री सुबोध कुमार मिश्र, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि

सदस्य- श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष
कु. बबिता सिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष
श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, पूर्व छात्रसंघ महामंत्री
कु. प्रियंका शाही, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री आशुतोष कुमार श्रीवा., पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
कु. जैस्मिन चौधरी, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
कु. रतन सिंह, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री विवेक श्रीवास्तव, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री अभिषेक तिवारी, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष
श्री गौरव राज सिंह, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री राज पाण्डेय, पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि
श्री रीतेश पाण्डेय, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष
सुश्री अंजनी त्रिपाठी, पूर्व छात्रसंघ महामंत्री
श्री दीपक कुमार, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष
श्री संदीप शर्मा, पूर्व छात्रसंघ महामंत्री

प्रवेश समिति

संयोजक - डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रभारी-भूगोल विभाग
सदस्य - डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी-रसायन शास्त्र
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रभारी-राजनीति शास्त्र
चक्रानुक्रम में सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश परामर्श समिति

बिन्दू चौहान, कु० पूनम, श्री महेश कुमार सैनी स्नातक कला तृतीय वर्ष, शीतल प्रजापति स्नातक कला द्वितीय वर्ष, श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, चन्दा उपाध्याय, रंजना पाण्डेय, श्री विक्रम बजंरग सिंह, कु० सोनम स्नातक कला प्रथम वर्ष, कु० राधिका सिंह, अनुराधा सिंह, चक्रवीर सिंह, अशोक सिंह, कु० रेनू सिंह, स्नातक विज्ञान तृतीय वर्ष, कु० स्वाती गुप्ता, वागीश राज पाण्डेय, अभिलाषा यादव, स्नातक विज्ञान द्वितीय वर्ष, मोहन लाल गुप्ता स्नातक वाणिज्य तृतीय वर्ष, शिव प्रकाश शुक्ला स्नातक वाणिज्य द्वितीय वर्ष, बबिता शर्मा स्नातक वाणिज्य प्रथम वर्ष।

प्रवेश समिति में उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा मे अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

नियन्ता मण्डल

डॉ. कविता मन्ध्यान, मुख्य नियन्ता
डॉ. सुभाष गुप्ता, नियन्ता
डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी, नियन्ता
डॉ. प्रदीप राव, नियन्ता
डॉ. विजय कुमार चौधरी, नियन्ता
डॉ. पुरूषोत्तम पाण्डेय, नियन्ता
डॉ. नन्दन शर्मा, नियन्ता
डॉ. आरती सिंह, नियन्ता
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार, नियन्ता

रक्तदाता विद्यार्थी एवं प्राध्यापक

1.	सुश्री स्वाती गुप्ता,	बी.एससी.–तृतीय वर्ष
2.	सुश्री अभिलाषा यादव	बी.एससी.–तृतीय वर्ष
3.	सुश्री बबिता शर्मा,	बी.काम.–द्वितीय वर्ष
4.	सुश्री श्वेता चतुर्वेदी	बी.काम.–द्वितीय वर्ष
5.	सुश्री सपना पाण्डेय	बी.ए.–द्वितीय वर्ष
6.	श्री निर्मल कुमार श्रीवास्वत	बी.काम.–प्रथम वर्ष
7.	श्री सत्येन्द्र कुमार	बी.काम.–प्रथम वर्ष
8.	श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव	बी.काम.–प्रथम वर्ष
9.	श्री कृष्ण कुमार प्रजापति	बी.एससी.–प्रथम वर्ष
10.	श्री हरिनाथ चौधरी	बी.एससी.–प्रथम वर्ष
11.	श्री पवन कुमार गुप्ता	बी.एससी.–प्रथम वर्ष
12.	श्री अवधेश कुमार भारती	बी.ए.–प्रथम वर्ष
13.	श्री नरेन्द्र निषाद	बी.ए.–प्रथम वर्ष
14.	श्री सचिन कुमार चौहान	बी.ए.–द्वितीय वर्ष
15.	श्री सूरज यादव	बी.ए.–द्वितीय वर्ष
16.	श्री अनुराग शाह	बी.ए.–द्वितीय वर्ष
17.	श्री कृष्णानन्द चौबे	बी.काम.–द्वितीय वर्ष
18.	श्री विष्णु पाण्डेय	बी.एससी.–द्वितीय वर्ष
19.	श्री संदीप पाण्डेय	बी.एससी.–तृतीय वर्ष
20.	डॉ. प्रदीप राव	प्राचार्य
21.	डॉ. राजेश शुक्ल	प्रभारी, वाणिज्य विभाग
22.	डॉ. नन्दन शर्मा	प्रवक्ता, वाणिज्य
23.	डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी	प्रवक्ता, समाजशास्त्र
24.	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्रवक्ता, राजनीतिशास्त्र

25
श्री दीपक कुमार
पूर्वछात्र एवं पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष

छात्र नियन्ता मण्डल

श्री विनय कुमार सिंह, बी.एस-सी. भाग-तीन
कु. स्वाती गुप्ता, बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री सत्यानन्द पाण्डेय, बी.एस-सी. भाग-दो
श्री सुधीर मिश्र, बी.एस-सी. भाग-दो
श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, बी.ए. भाग-दो
श्री सचिन कुमार चौहान, बी.ए. भाग-दो
कु० बबिता शर्मा, बी.काम. भाग-दो

प्रयोगशाला समिति

प्रभारी - डॉ. शालिनी सिंह, प्रवक्ता, रसायन विज्ञान
सदस्य - श्री अवधेश कुमार भारती, बी.ए.-प्रथम वर्ष
सुश्री आराधना दीक्षित, बी.एससी.-द्वितीय वर्ष
श्री सत्य राम चौरसिया, बी.एससी.-प्रथम वर्ष

छात्रा समिति

प्रभारी - डॉ. स्नेहलता त्रिपाठी, प्रवक्ता, वनस्पति विज्ञान
सदस्य - सुश्री निधि केजरीवाल, बी.एससी.-तृतीय वर्ष
सुश्री श्वेता चतुर्वेदी, बी.काम.-द्वितीय वर्ष
सुश्री निकिता केजरीवाल, बी.काम.-प्रथम वर्ष

प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति

प्रभारी - डॉ. सन्तोष कुमार, प्रवक्ता भौतिकी
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रवक्ता राजनीति शास्त्र
सदस्य - श्री वागीश राज पाण्डेय, बी.एस-सी तृतीय वर्ष
श्री अरविन्द कुमार शुक्ल, बी.एस-सी तृतीय वर्ष
श्री आलोक रंजन शुक्ल, बी.एस-सी द्वितीय वर्ष
श्री अरूण कुमार, बी.एस-सी प्रथम वर्ष
कु० सविता प्रजापति, बी.एस-सी प्रथम वर्ष

पुस्तकालय समिति

प्रभारी- डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रवक्ता रसायन विज्ञान
डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी, प्रवक्ता समाजशास्त्र
सदस्य- श्री प्रतीक कुमार दास, बी.एस-सी तृतीय वर्ष
श्री अर्जुन कुमार निषाद, बी.ए. द्वितीय वर्ष
कु० नीलम यादव, बी.ए. द्वितीय वर्ष
कु० मुन्नी बर्नवाल, बी.ए. द्वितीय वर्ष
कु० बेबी यादव, बी.ए. प्रथम वर्ष

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

प्रभारी -डॉ. पुरूषोत्तम पाण्डेय, प्रवक्ता, अर्थशास्त्र
सदस्य -श्री अरविन्द कुमार शुक्ल, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष
कु० प्रियंका श्रीवास्तव, बी.ए. तृतीय वर्ष
श्री शिवप्रकाश शुक्ल, बी.काम. तृतीय वर्ष
कु० संजना यादव, बी.ए. द्वितीय वर्ष
श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष
श्री अशोक कुमार मांझी, बी.ए. प्रथम वर्ष
श्री दीपक कुमार सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष
कु० रेखा, बी.ए. प्रथम वर्ष
कु० रितु श्रीवास्तव, बी.ए. प्रथम वर्ष
श्री विपिन सिंह, बी.काम. प्रथम वर्ष

बागवानी समिति

प्रभारी डॉ. सत्य प्रकाश सिंह, प्रवक्ता, प्राणि विज्ञान
सदस्य श्री रवि कुमार विश्वकर्मा, बी.ए. तृतीय वर्ष
श्री प्रमोद कुमार गुप्ता, बी.ए. तृतीय वर्ष
श्री सत्या प्रजापति, बी.ए. द्वितीय वर्ष

खेल समिति

प्रभारी - डॉ. प्रवीन्द्र कुमार, प्रवक्ता भूगोल विभाग
सदस्य - श्री पन्ने लाल यादव, बी.ए.-तृतीय वर्ष
श्री अजय कुमार चौधरी, बी.ए.-द्वितीय वर्ष
श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, बी.एससी.-प्रथम वर्ष
श्री शिववेस्टर राव, बी.एससी.-प्रथम वर्ष
श्री सतीश गौड़, बी.एससी.-प्रथम वर्ष
श्री कुन्दन गुप्ता, बी.काम.-प्रथम वर्ष
श्री अमन कुमार वर्मा, बी.काम.-प्रथम वर्ष

गाँव में घर-घर पहुँचा महाविद्यालय

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज

प्रबन्धक

पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्राचार्य

डॉ. विजय कुमार चौधरी	प्रभारी	भूगोल विभाग, संयोजक प्रवेश समिति एवं परीक्षा नियन्त्रक
डॉ. रघुवीर नारायण सिंह	प्रभारी	प्राणि विज्ञान, अतिथि विभाग
डॉ. स्नेहलता त्रिपाठी	प्रभारी	वनस्पति विज्ञान विभाग, छात्रा प्रमुख
डॉ. शिवकुमार वर्नवाल	प्रभारी	रसायन शास्त्र विभाग, पुस्तकालय एवं परामर्श समिति
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्रभारी	राजनीति शास्त्र विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना
डॉ. शालिनी सिंह	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र, प्रयोगाशाला प्रभारी
डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति	प्रभारी	प्राचीन इतिहास, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना
डॉ. कविता मन्ध्यान	प्रभारी	अंग्रेजी विभाग, मुख्य नियन्ता
डॉ. पुरूषोत्तम पाण्डेय	प्रभारी	अर्थशास्त्र विभाग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नियन्ता
डॉ. संतोष कुमार	प्रभारी	भौतिक विज्ञान विभाग, प्रार्थना एवं स्वच्छता
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	प्रवक्ता	वनस्पति विज्ञान, विज्ञान संकाय प्रभारी
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार	प्रवक्ता	भूगोल विभाग, प्रभारी क्रीड़ा
डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी	प्रभारी	समाजशास्त्र, सूचना एवं परामर्श
डॉ. राजेश शुक्ला	प्रभारी	वाणिज्य विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क
डॉ. सत्यप्रकाश सिंह	प्रवक्ता	प्राणि विज्ञान विभाग, वागवानी
डॉ. आरती सिंह	प्रभारी	हिन्दी विभाग, कला संकाय प्रभारी
डॉ. दीप नारायण त्रिपाठी	प्रवक्ता	रसायनशास्त्र, छात्रावास प्रमुख
डॉ. गरिमा सिंह	प्रवक्ता	भौतिकी, प्रभारी शिक्षक अभिभावक समिति
डॉ. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्रभारी	गणित विभाग
डॉ. मनोज वर्मा	प्रवक्ता	गणित विभाग
डॉ. नन्दन शर्मा	प्रवक्ता	वाणिज्य विभाग, नियन्ता
डॉ. सुभाष गुप्ता	प्रवक्ता	वाणिज्य विभाग, प्रभारी कार्यालय एवं नियन्ता

चतुर्थ श्रेणी

श्री ओम प्रकाश, परिचर
श्री रामरतन, परिचर
श्री विश्वनाथ , परिचर
श्री जोगिन्दर, परिचर
श्री हीरालाल , परिचर
श्री शिवशंकर , परिचर
श्री धर्मवीर, माली

ग्रन्थालयी

श्री शिव प्रसाद शर्मा

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

श्री सुभाष कुमार, कार्यालय प्रमुख
श्री लक्ष्मीकान्त दूबे, कार्यालय सहायक
श्री संजय कुमार शर्मा, कम्प्यूटर आपरेटर
श्री प्रदीप यादव, प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग
श्री शिव सहाय श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग
श्री संतोष श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान
श्री ब्रह्मदेव मिश्र, प्रयोगशाला सहायक, रसायन विज्ञान
श्री राम उमेश साहनी, प्रयोगशाला सहायक, प्राणि विज्ञान विभाग

हमारे प्रयास

- प्रातः प्रार्थना एवं वन्देमातरम् के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 1 अगस्त से स्नातक प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव 31 अगस्त तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक
- छात्र-छात्राओं
- महाविद्यालय प्र ... तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक का
- प्रत्येक शनिवार
- छात्र-छात्राओं द्व ... द्वारा।
- मकर संक्रान्ति त
- विश्वविद्यालय
- विश्वविद्यालय ... लय की विशेष सुविधा,
- प्रवेश समिति क ... अवलोकनार्थ रखा जाना।
- शिक्षकों द्वारा छ
- 2 अक्टूबर एवं 26 जनवरी को शिक्षक-अभिभावक बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' नामक शोध पत्रिका का प्रकाशन।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

कृपया ध्यान दें:-
1. पुस्तक खो देने, फाड़ देने या बरबाद कर देने पर पाठक को उसके बदले में नयी पुस्तक देना होगा या दोगुना मूल्य देना होगा।
2. आवश्यकतानुसार पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा निर्गमित पुस्तक को किसी भी समय लौटाने के समय निर्देश का पालन अनिवार्य होगा।
3. पुस्तक पर किसी तरह का निशान इंक या मार्का द्वारा चिन्ह न लगाएें।

हमें पुस्तक का उसी प्रकार उपयोग करना चाहिए जैसे मधुमक्खी पुष्प का करती है, वह मधु संचित कर लेती है, किन्तु इसे क्षति नही पहुंचाती .. (काल्टन)

पुस्तकें साफ एवं सुरक्षित रखें।

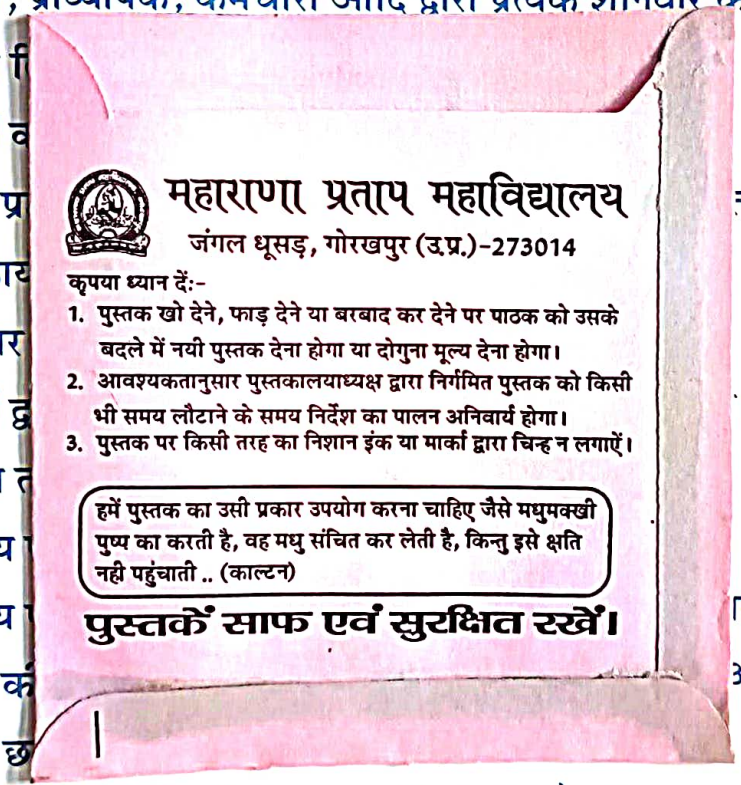

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मंचर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। आचार्याय प्रियं धनमाहृत्य प्रजातंन्तु मा व्यवच्छेत्सीः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम् कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृ कार्याभ्याम् न प्रमदितव्यम् मातृ देवो भव। पितृ देवो भव। आचार्य देवो भव। अतिथि देवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद्

"सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। आचार्य की दक्षिणा दें लेने पर सन्तति-उत्पादन की परम्परा विच्छिन्न न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। लाभ कार्य में प्रमाद न करना। महान बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरों के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।"

संकल्प

मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री .....

स्नातक कला/विज्ञान/वाणिज्य में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धुमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा